हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(स्पर्श)(पाठ 8)(हबीब तनवीर – कारतूस)

(कक्षा 10)

प्रश्न अभ्यास

खंड – क

प्रश्न 1:

वजीर अली के अफसाने सुनकर कर्नल को रॉबिनहुड की याद क्यों आ जाती थी ?

उत्तर 1:

वजीर अली एक ऐसा जाँबाज सिपाही था जिसके कारनामें सुनकर अंग्रेज भी काँपते थे । वह उनके लिए रॉबिनहुड की तरह था जो जनता का सेवक और सरकार का दुश्मन था ।

प्रश्न 2:

सआदत अली कौन था? उसने वजीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा ?

उत्तर 2:

सआदत अली नवाब आसिफउद्दौला का भाई था । वजीर अली और उसका दुश्मन। नवाब आसिफउद्दौला के यहाँ लड़के की कोई उम्मीद नहीं थी। वजीर अली के पैदा होते ही को सआदत अली ने अपनी मौत दिखाई देने लगी ।

प्रश्न 3:

सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मकसद था ?

उत्तर 3:

सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का यही मकसद था कि वह बहुत ऐश पसंद आदमी है इसलिए उसने अपनी आधी मुमलिकत ;जायदाद, दौलत दे दी और दस लाख रुपये नगद। अब वो भी मजे कर रहा था और कर्नल भी।

प्रश्न 4:

कंपनी के वकील का कत्ल करने के बाद वजीर अली ने अपनी हिफाजत कैसे की ?

उत्तर 4

कंपनी के वकील का कत्ल करने के बाद वजीर अली अपने जानिसारों समेत आजमगढ़ की तरफ भाग गया। आजमगढ़ के हुक्मरां ने उन लोगों को अपनी हिफाजत में घागरा तक पहुँचा दिया। उसके बाद वह अपने कारवाँ के साथ जंगलों में कई साल तक भटकता रहा ।

प्रश्न 5:
सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का–बक्का रह गया?

उत्तर 5:
सवार के जाने के बाद कर्नल हक्का–बक्का इसलिए रह गया क्योंकि जिसको पकड़ने के लिए उसने इतने इंतजाम किए थे वह बिना किसी डर के उससे मिलकर चला गया था ।

खंड – ख

प्रश्न 1:
लेफ्टीनेंट को ऐसा क्यों लगा कि कंपनी के खिलाफ सारे हिन्दुस्तान में एक लहर दौड़ गई है ?

उत्तर 1:
वजीर अली अफगानिस्तान के बादशाह शाहे–जमा को हिन्दुस्तान पर हमला करने की दावत दे रहा था। अफगानिस्तान को हमले की दावत सबसे पहले असल में टीपू सुल्तान ने दी फिर वजीर अली ने भी उसे दिल्ली बुलाया और फिर शमसुद्दौला ने भी। जो नवाब बंगाल का निस्बती रिश्तेदार भाई था बहुत ही खतरनाक आदमी था। जिससे लेफ्टिनेंट को लगा कि कंपनी के खिलाफ सारे हिन्दुस्तान में एक लहर दौड़ गई है।

प्रश्न 2:
वजीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया ?

उत्तर 2:
वजीर अली को उसके पद से हटाने के बाद उसे बनारस पहुँचा दिया और तीन लाख रुपया सालाना वजीफा मुकर्रर कर दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता तलब किया। वजीर अली कंपनी के वकील के पास गया जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कलकत्ता में क्यूँ तलब करता है। वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की उलटा उसे बुरा–भला सुना दिया। वजीर अली के तो दिल में यूँ भी अंग्रेजों के लिए नफरत थी उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

प्रश्न 3:
सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए?

उत्तर 3:
वजीर अली कर्नल के पास जाकर बोला कि इतना लाव लश्कर किस लिए ? कर्नल ने कहा कि वजीर अली की गिरफ्तारी में मदद देने के लिए। उसने कहा कि वजर अली को पकड़ना बहुत मुश्किल है क्योंकि एक जाँबाज सिपाही है। मैं उसे पकड़ सकता हूँ इसके लिए मुझे कुछ कारतूस चाहिए ।

प्रश्न 4:
वजीर अली एक जाँबाज सिपाही था, कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर 4:
वजीर अली ने अकेले ही कर्नल के खेमे में आकर उससे कारतूस लेकर और अपनी पहचान बताकर कहा कि आपने मुझे कारतूस दिए इसलिए आपकी जान बख्शी करता हूँ । ये कहकर बाहर चला गया कर्नल एक सन्नाटे में हक्का–बक्का खड़ा रह गया और लेफ्टीनेंट से कर्नल ने दबी जबान में यही कहा कि एक जाँबाज सिपाही आया था ।

खंड – ग

आशय स्पष्ट कीजिए

1.
मुट्ठी भर आदमी और ये दमखम।

उत्तर 1:
कर्नल ने जब वजीर अली की बहादुरी के बारे में सुना तों वह भी अचम्भित रह गया उसने सोचा भी नहीं था कि चंद मुट्ठी भर लोग उसकी और पूरी कंपनी की नाक में दम कर देंगे तभी उसने कहा कि मुट्ठी भर आदमी और ये दमखम।

2.
गर्द तो ऐसे उड़ रही है जैसे कि पूरा एक काफिला चला आ रहा हो मगर मुझे तो एक ही सवार नजर आता है।

उत्तर 2:
वजीर अली अपने घोड़े पर सवार होकर जब कर्नल के खेमें की तरफ आ रहा था तो ऐसा लग रहा था कि पूरी सेना चली आ रही हो मगर वह अकेला ही कई के बराबर था । इसलिए उसका अकेल आना भी ऐसे लगा कि जैसे पूरा काफिला चला आ रहा हो ।